श्री एकलब्य का कुआँ र्निमाण में स'ाक्त पहल

दिनांक 16 मई 2010 को जल बिचारक श्री एकलव्य प्रसाद अपने सहयोगी श्री मति सीमा जी, श्री प्रेम कुमार वर्मा जी, श्री प्रदीप एवं मेघ पाईन अभियान के कार्य–कर्त्ताओं के साथ क्षेत्र भ्रमण के अन्तर्गत खर्ड़ा टोला और जंगली सिंह टोला के 89 चापाकल के पानी को अमरूद के पत्ते से पानी जाँच किया, जिसमें कुओं का पानी भी शामिल था। जंगली सिंह टोला पेड़ के नीचे काफी भीड़ लग गयी। लम्बी कतार थी। जिसमें हर घ ार की महिलाएँ अपना पानी लेकर आती थी। सारे कार्यकर्ता अमरूद के पत्ते मषलने का काम करने में लगे रहे। शाम हो चली फिर भी पानी लाने का सिलसिला समाप्त ही नहीं होता था। लोगो के बीच जो पानी के रंग का अन्तर स्पष्ट किया गया। वह लोगों को जबरदस्त प्रभावित किया। प्रभावित भी क्यों न होता। कुएँ के पानी का रंग में तनिक भी परिवर्तन नहीं और चापाकल के पानी में आयरन की मात्रा अनुकुल रंग बदलना । आँख के सामने यह चमत्कार । लोग विलकुल समझने लगे कि गाँव में हर घर में आयरन का बसेरा है।

सारे गाँव के लोग श्री एकलव्य जी की नेतृत्व में गाँव के ही विद्यालय में बैठक में तब्बील हो गये। जिसमें कुल 57 व्यक्ति उपस्थित हुए जिसमे 11 पुरूष और 41 महिलाएँ उपस्थित थी । बैठक के दौरान मुख्य चर्चा यह छायी रही कि घर मे घुसे आयरन जी को कैसे भगाया जाय । सभी लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाए ँ व्यक्त किए जो इस प्रकार था –

- कुएँ की मिट्टी निकाल कर साफ की जायेगी ।
- कुआँ बनाने में सभी लोग अपनी भागीदारी देगें ।
- मुखिया जी से नया कुओं बनबाने की माँग करेगें ।
- मटका फिल्टर गाँव में बनाने की बात करेंगें।
- हैन्ड पम्प से सिर्फ नहाना, बर्त्तन धोना,कपड़ा धोना आदि की जाए ।

अन्त मे ग्रामीणों ने निर्णय लिया कि हमलोग अपने गाँव में भड़ा पुराने कुएँ की सफाई एवं जिर्नोद्वार कर आयरन जी को भगाने का काम करेंगे ।

परिणाम : यह हुआ कि सारे गाँव के लोग संकल्पित होकर कुएँ की पूरी सफाई एवं मरम्त कर कुएँ को जीवित किया । **आखिरकार जंगली सिंह टोला मे लोगों ने आयरन जी को भगाने में सफल हुए जो बिना बुलाए मेहमान की तरह घर बना लिया था।**